डाक पंजीयन संख्या- म.प्र./भोपाल/4-231/2023-25,
प्रकाशन प्रति सप्ताह बुधवार, पोस्टिंग प्रति सप्ताह गुरुवार
पता-म.न. 31, सेक्टर-1, शक्तिनगर, भोपाल, पिन-462024
फोन नं.-0755-4289655

MPHIN/2009/27464

साप्ताहिक मंथन दृष्टि

अमृत वचन

शिक्षक द्वार खोलते हैं, लेकिन प्रवेश आपको स्वयं ही करना होता है।

-चीनी कहावत

प्रादेशिक, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों का समावेश

'मेरी चुप्पी मेरा जवाब', नीति टेलर ने शादी के 4 साल बाद क्यों हटाया पति का सरनेम पेज- 7

वर्ष : 16 अंक : 47 भोपाल: बुधवार, 05 दिसम्बर से 11 दिसम्बर 2024 पृष्ठ 8, मूल्य 5 रुपए

महाराष्ट्र शपथ ग्राहण समारोह

विश्लेषक मानते हैं कि बीजेपी अभी नहीं चाहती हैं कि मंत्री पद के बंटवारे में शिंदे या पवार को नाराज़ करना पड़े और उसे अपने किसी गठबंधन सहयोगी को छोड़ना नहीं पड़े

देवेंद्र फडणवीस ने तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की ली शपथ, एकनाथ शिंदे और अजित पवार बने बने डिप्टी सीएम

महाराष्ट्र में ईवीएम पर बवालः आदित्य ठाकरे बोले- विपक्षी विधायक आज नहीं लेंगे शपथ, अजित का तंज- ईसीआई-कोर्ट जाएं

● मंथन संवाददाता

मुंबई। मुंबई के आजाद मैदान में 7 दिसम्बर सुबह देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने। उनके साथ एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने भी पद और गोपनीयता की शपथ ली। फडणवीस के शपथ ग्रहण समारोह में एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए।

देवेन्द्र फडणवीस ने 7 दिसम्बर सुबह महाराष्ट्र विधानसभा के विशेष सत्र के पहले दिन मुंबई के विधान भवन परिसर में छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस बीच, शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ विधान भवन परिसर में शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि दी। विधान भवन में विधायकों के शपथ समारोह के दौरान, एनसीपी सांसद सुनील तटकरे ने कहा, 'सभी विधायकों का शपथ समारोह हो रहा है। जनता ने महायुति गठबंधन को जितना प्यार दिया है, हम महाराष्ट्र के विकास के लिए काम करेंगे।'

आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण द्वारा डीसीएम अजित पवार को दी गई बड़ी राहत के बारे में बोलते हुए उन्होंने

कहा, 'विपक्ष को जो कहना है, कहने दें। यह न्यायिक निर्णय है।' इससे पहले दिन में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'आज मैंने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस, डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और महायुति के अन्य नेताओं के साथ छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की। हम छत्रपति शिवाजी महाराज और बीआर अंबेडकर की विचारधारा का पालन करते हुए काम करना चाहते हैं। महाराष्ट्र के मतदाताओं ने हमें भरपूर समर्थन दिया है और मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं।' इस बीच, सोमवार, 9 दिसंबर को नए महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होने की संभावना है। महाराष्ट्र विधानसभा का तीन दिवसीय विशेष सत्र चल रहा है। यह विशेष सत्र महाराष्ट्र में नवगठित विधानसभा के विधायी एजेंडे के लिए माहौल तैयार करने का काम करेगा। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने 6 दिसम्बर को विधानसभा के तीन दिवसीय विशेष सत्र से एक दिन पहले वरिष्ठ भाजपा विधायक कालिदास सुलोचना कोलंबकर को विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर के रूप में शपथ दिलाई।

ईवीएम पर बवालः आदित्य ठाकरे ने कहा, 'आज हमने फैसला किया है कि हमारे (शिवसेना यूबीटी) के जीतने वाले विधायक आज शपथ नहीं लेंगे। अगर लोगों का यही मत था, तो लोग बहुत खुश होते और इसका जश्न मनाते।

महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन की जबरदस्त जीत और महा विकास अघाड़ी की हार के बाद नई सरकार और विपक्ष में जुबानी जंग छिड़ गई है। शिवसेना यूबीटी के नेता आदित्य ठाकरे ने 7

दिसम्बर को कहा कि एमवीए विधायक आज विधानसभा में शपथ नहीं लेंगे। उन्होंने ईवीएम का मुद्दा उठाते हुए कहा कि हमें इस पर शक है। हालांकि, आदित्य की इस टिप्पणी पर राकांपा नेता अजित पवार ने तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष को चुनाव आयोग (ईसी) या कोर्ट जाना चाहिए। महाराष्ट्र विधानसभा का विशेष सत्र सुबह 11 बजे शुरू हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने विधानसभा सदस्य के तौर पर शपथ ली। हालांकि, विपक्षी दल- कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी और राकांपा (एसपी) के विधायकों ने पहले दिन शपथ नहीं ली। -शेष पृष्ठ 2 पर

क्या नाराज थे एकनाथ शिंदे? सीएम पद की शपथ लेने के बाद फडणवीस ने किया बड़ा खुलासा

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि एकनाथ शिंदे भावुक स्वभाव के व्यक्ति हैं, जबकि दूसरे डिप्टी सीएम अजित पवार व्यावहारिक राजनीति करते हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि महायुति गठबंधन ने बहुत मेहनत की है, फिर भी पिछले ढ़ाई वर्ष उतार-चढ़ाव भरे सफर की तरह रहे हैं। क्या एकनाथ शिंदे उप-मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहते थे, इस सवाल के जवाब में सीएम फडणवीस ने कहा, 'अगर कोई पार्टी प्रमुख सरकार से बाहर हो, तो पार्टी ठीक से नहीं चल सकती है।' सीएम ने कहा कि उन्होंने ये बात एकनाथ शिंदे को समझा दिया है शिवसेना नेता उदय सामंत ने 6 दिसंबर को कहा था कि एकनाथ शिंदे नई महाराष्ट्र सरकार में शामिल नहीं होना चाहते थे और इसके बजाय अपनी पार्टी को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहते थे, लेकिन पार्टी के नेताओं के आगे वे नरम पड़ गए।

मंथन दृष्टि

पृष्ठ 2 प्राइवेट अस्पताल संचालकों की अब नहीं चलेगी मनमानी...
पृष्ठ 3 धर्म और आध्यात्म आध्यात्मिक विचारों की विश्वव्यापी क्रांति
पृष्ठ 4 किसानों की सक्सेस स्टोरी मंथन किसान अमर सिंह रैकवार जी द्वारा हार्टीकल्चर विभाग के...
पृष्ठ 5 कृषि मंथन मोदी सरकार की एफपीओ योजना से कैसे...
पृष्ठ 6 देश-विदेश यूपी में अब 75 नहीं 76 जिले! योगी सरकार ने इस...
पृष्ठ 7 अनोखी खबरें दुनिया का सबसे दुर्लभ जीव सफेद हाथी
पृष्ठ 8 ख़ास साप्ताहिक फोटो विश्व धरोहर स्थल ऐतिहासिक नगर महाबलीपुरम मंदिर

झारखंड विधानसभा चुनाव में क्यों हारी बीजेपी? पार्टी की समीक्षा बैठक में सच निकलकर आया सामने!

झारखंड विधानसभा चुनाव में मिली हार की बेजीपी ने समीक्षा शुरू कर दी है। दो दिनों तक चली समीक्षा बैठक में सभी बिंदुओं पर चर्चा हुई। बीजेपी के कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र राय ने कहा कि पांच सत्र में बैठक हुई है। बैठक में चुनाव प्रबंधन से लेकर प्रचार की खामियों पर भी चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि बीजेपी के काम करने का तरीका अलग है। संगठन को मजबूत करने पर बीजेपी का फोकस रहता है। चुनाव के परिणाम को देखने से साफ होता है कि बीजेपी की विश्वसनीयता जनता में बढ़ी है। उन्होंने बताया कि पिछले चुनाव के मुकाबले 9 लाख अधिक वोट मिले हैं। रविंद्र राय ने कहा कि चुनाव में ध्रुवीकरण हुआ। मुद्दों को जनता के बीच पहुंचाने में थोड़ी कमी रही। उन्होंने कहा कि झामुमो सरकार के खिलाफ बीजेपी विपक्ष की भूमिका में होगी। प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयीने कहा कि चुनाव में अंक गणित मायने रखता है।

चुनाव का नतीजा झामुमो के पक्ष में रहा है। संगठन प्रभारी बीएल संतोष ने पार्टी दफ्तर में काम कर रहे लोगों के साथ बैठक कर कमी पर चर्चा की है। उन्होंने कहा कि बीजेपी मजबूत विपक्ष की भूमिका निभायेगी। सरकार के गलत काम का विरोध किया जायेगा। बीजेपी के कार्यकर्ताओं की सुरक्षा संगठन की प्राथमिकता है। लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि विधानसभा चुनाव हार के बावजूद बीजेपी को मिले वोटों की संख्या बढ़ी है। दो दिन की समीक्षा बैठक से निकला निष्कर्ष बीजेपी के मील का पत्थर साबित होगा। बीजेपी पराजय से सबक लेकर संगठन को मजबूत बनाने पर फोकस करेगी। हार की समीक्षा के लिए बुलायी गई बैठक में कई दिग्गज नेता शामिल रहे। सभी नेताओं ने अपने अपने विचार प्रकट किये।

'बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के मास्टरमाइंड हैं मुहम्मद यूनुस,' शेख हसीना बोलीं- मेरा तो...

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का दौर जारी है। अब शेख हसीना ने अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे मुहम्मद यूनुस पर सामूहिक हत्याओं और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में हो रहे नरसंहार के जिम्मेदार मुहम्मद यूनुस हैं। न्यूयॉर्क में अवामी लीग के एक कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए,हसीना ने मंदिरों, चर्चों और धार्मिक संगठन इस्कॉन पर लगातार हमलों के लिए यूनुस की आलोचना की। शेख हसीना ने कहा, मुझ पर सामूहिक हत्याओं का आरोप लगाया गया है। लेकिन इन हमलों के मास्टरमाइंड मुहम्मद यूनुस हैं।

11 चर्च और कई मंदिरों पर हमले किए गए: शेख हसीना ने कहा कि आज, टीचर्स, पुलिस, नेता सभी पर हमले किए जा रहे हैं। हिंदुओं, बौद्धों और ईसाइयों को निशाना बनाया जा रहा है। 11 चर्च और कई मंदिरों पर हमले किए गए हैं। इस्कॉन पर हमला किया गया। उन्होंने यूनुस सरकार से सवाल करते हुए कहा, अब बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को निशाना क्यों बनाया जा रहा है?पूर्व प्रधान -मंत्री ने दावा किया कि उनके पिता बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान की तरह ही उनकी भी हत्या करने की योजना थी।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश हाईकोर्ट में एक रिट याचिका दायर की गई है जिसमें बांग्लादेशी संस्कृति और समाज पर भारतीय मीडिया के प्रभाव पर बढ़ती चिंताओं का हवाला देते हुए देश में भारतीय टीवी चैनलों के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है।

डोनाल्ड ट्रंप ने हमास को दी खुली धमकी, कहा- 20 जनवरी 2025 तक बंधकों को रिहा नहीं किया तो तबाही मचेगी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 दिसंबर को हमास के खिलाफ सख्त बयान दिया। ट्रंप ने अपने बयान में कहा, 'अगर बंधकों को रिहा नहीं किया गया तो अमेरिका मानवता के खिलाफ यह अपराध करने वालों को इतिहास की सबसे बड़ी सजा देगा।' इजरायली आंकड़ों के अनुसार, 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमास के हमले के दौरान 250 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया गया था। इनमें से लगभग 101 विदेशी और इजरायली नागरिक अब भी हमास के कब्जे में हैं। हमास का दावा है कि इनमें से 33 बंधकों की मौत हो चुकी है।

क्या है हमास की मांग?: हमास की मांग है कि इजरायली सेना गाजा से चली जाए। वो बंधकों के बदले फिलिस्तीनी कैदियों को रिहाई की मांग कर रहा है। हमास की मांग पर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि जब तक हमास का पूरी तरह से खात्मा नहीं हो जाता, युद्ध जारी रहेगा।

✓ हमारा "मंथन दृष्टि" साप्ताहिक समाचार पत्र समूची दुनिया में रह रहे हिंदी भाषी भारतीयों के लिए अभी On-line पढ़ने के लिए निःशुल्क (फ्री) उपलब्ध है। इस E-paper को पढ़ने के लिए www.manthandrishti.com पर जाएं।